दिनांक 14-02-2024 सीतापुर में थाना संदना अंतर्गत गोमती नदी में कुछ गोवंशों के फंसे होने की सूचना पर सर्च अभियान चला रही एसडीआरएफ टीम ने 30 गोवंशों के शव बरामद कर स्थानीय प्रशासन को सुपुर्द किया।

सात घंटे चला अभियान, नदी से निकाले 30 गोवंशों के शव

मंगलवार सुबह 6 बजे से राज्य आपदा मोचन बल ने संभाली कमान

संवाद न्यूज एजेंसी

गोंदलामऊ/सीतापुर। संदना थाना क्षेत्र में नदी में उतराते मिले 30 गोवंशों के शवों को मंगलवार को दफना दिया गया। इस काम के लिए जिला प्रशासन ने राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की दो टीमें बुलाई थीं। एक टीम ने लखनऊ जोन और दूसरी ने बरेली जोन से आकर मोर्चा संभाला।

संदना में नदी में उतराते मिले थे मृत गोवंश, नदी किनारे दफनाए गए

एसडीआरएफ के 35 जवानों ने सुबह छह बजे से दोपहर एक बजे तक अभियान चलाया। इस दौरान नदी से 30 गोवंश निकाले गए। सोमवार को सिधौली-मिश्रिख मार्ग पर कोनीघाट पुल के नीचे बह रही गोमती नदी में मृत गोवंश उतराते दिखे थे। सूचना पर बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंच गए थे और खूब हंगामा किया था। मामले के तूल पकड़ने पर एडीएम नीतीश कुमार सिंह, एएसपी डॉ. प्रवीन रंजन सिंह और एसडीएम अनिल रस्तोगी देर रात तक गांव में मोर्चा संभाले रहे। सुबह छह बजे एसडीआरएफ के साथ पशु चिकित्साधिकारियों व ब्लॉक के कर्मचारियों की एक टीम नदी को खंगाले के लिए लगाई गई। एसडीआरएफ के जवान नदी से मृत गोवंशों को निकालते रहे।

चार जेसीबी, 2 नाव संग लगे 50 लोग

अलसुबह ही एसडीआरएफ के जवान मौके पर पहुंच गए। उनके साथ एसडीएम अनिल रस्तोगी व राजस्वकर्मियों की टीम भी थी। एसडीआरएफ के निरीक्षक चंद्रेश्वर ने दो नावों को पानी में उतारा। बताया कि नदी में काई काफी ज्यादा मात्रा में है। इस कारण नाव चलाने में बहुत दिक्कत आई। रस्सा बांधकर चप्पू की मदद से एसडीआरएफ के जवान नाव चला सके। नाव की मदद से गोवंशों के शवों को नदी के किनारे तक पहुंचाया गया। इसके बाद जेसीबी की मदद से गड्ढा खोदकर गोवंशों के शवों को दफनाया गया। चंद्रेश्वर ने बताया कि लखनऊ से 18 जवान व बरेली जोन से एसआई जितेंद्र सिंह संग 17 जवान अभियान में शामिल रहे।

कोनीघाट पुल के पास नदी में गोवंशों के शवों को खोजती एसडीआरएफ। -संवाद

30 मृत पशुओं को दफनाया गया

सात घंटे तक चले अभियान के बाद 30 गोवंशों के शवों को नदी से निकाला गया। शव विच्छेदन समिति ने शवों का पोस्टमार्टम किया। इसके बाद उन्हें दफना दिया गया। नदी से बाहर निकाले गए मृत पशुओं 18 गोवंश (12 नर व 6 मादा), 9 महिष वंशीय (8 नर व 1 मादा), दो बकरी व एक नीलगाय के शव शामिल हैं। इनकी खाल व बाह्य व अंदरूनी अंग सड़े गले पाये गए। इस वजह से पशुओं की मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया।

दो एडीओ पंचायत नपे

- एडीओ पंचायत सिधौली दयाराम भारती और एडीओ पंचायत कसमंडा ओमेंद्र पाल सिंह को डीपीआरओ कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। वहीं, ऐलिया एडीओ पंचायत रमेश चंद्र मिश्रा को कसमंडा का अतिरिक्त प्रभार व बिसवां एडीओ राजेश श्रीवास्तव को सिधौली का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है।
- **एलआईयू भी करेगी मामले की जांच :** पूरे मामले की विशेष जांच एलआईयू से भी करवाई जा रही है। आसपास के गांवों में भी पड़ताल की जा रही है।

टीम गठित, मामले की होगी जांच

> पूरे मामले की गहनता से जांच कराई जाएगी। खंड विकास अधिकारी सिधौली संदीप कुमार प्रथम व खंड विकास अधिकारी गोंदलामऊ अवध प्रताप सिंह को जिले से संबद्ध कर दिया गया है। गोंदलामऊ का अतिरिक्त प्रभार बीडीओ मिश्रिख प्रवीण जीत व सिधौली का अतिरिक्त प्रभार बीडीओ मछरेहटा अरुण कुमार वर्मा को दिया गया है। दोनों खंड विकास अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में स्पष्टीकरण तलब किया गया है। **-अनिल रस्तोगी,** उपजिलाधिकारी सिधौली

गोंदलामऊ में 15 गोशालाएं, आवारा घूमते मिलेंगे गोवंश

गोंदलामऊ में 15 गोशालाएं हैं। मौके पर जमा ग्रामीणों के बीच इस बात की चर्चा रही कि इन गोशालाओं में बदइंतजामी हावी है। ग्रामीणों ने बताया कि इस ब्लॉक में काफी मवेशी इधर-उधर भटकते देखे जा सकते हैं। इससे फसल बर्बाद हो रही हैं। एडीओ पंचायत मनोज सिंह से ग्रामीणों ने कई बार आवारा गोवंशों को संरक्षित करने की मांग की लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

पशुपालन विभाग के अफसरों से नहीं हुआ जवाब-तलब

जिला प्रशासन द्वारा इस मामले में पशु चिकित्साधिकारियों से भी कोई जवाब तलब नहीं हुआ है। वहीं, मुख्य चिकित्साधिकारी को जिले में गोवंशों की खुराक व अन्य व्यवस्थाओं के लिए आये बजट का ही पता नहीं रहता है। यह बात वह खुद स्वीकार कर चुके हैं। पशु चिकित्साधिकारियों के ढुलमुल रवैये पर सीडीओ निधि बंसल भी नाराजगी जता चुकी हैं। हालांकि इस मामले में पशु चिकित्साधिकारी गोवंशों को लेकर जिला प्रशासन को कोई जानकारी उपलब्ध नहीं करा पाए हैं।